उत्तर

KABIR SAKHI

Class 10 - हिंदी ब

1. अपने स्वभाव को निर्मल रखने के लिए कबीर ने उपाय सुझाते हुए कहा है कि हमें निंदा करने वाले मनुष्य को हमेशा अपने पास घर के सामने कुटी बाधंकर रखना चाहिए। क्योंकि वे आते जाते हमारी खामियां बताएंगे जिन्हें हम सुधार कर हमारा चरित्र उत्तम बना सकते हैं।
2. मीठी वाणी/बोली संबंधी दोहे-
   i. बोली एक अमोल है जो कोई बोले जानि।
      हिए तराजू तौलि के तब मुँह बाहर आनि।।
   ii. कागा काको सुख हरै, कोयल काको देय।
      मीठे वचन सुनाय के, जग अपनो करि लेय।।
   iii. मधुर वचन है औषधी कटुक वचन है तीर।
      स्रवण द्वार हवै संचरै सालै सकल शरीर।।

   ईश्वर प्रेम संबंधी दोहा-
   i. रहिमन बहु भेषज करत, व्याधि न छाँड़त साथ।
      खग मृग बसत अरोग बन हरि अनाथ के नाथ।।

   अन्य दोहों का संकलन छात्र स्वयं या अपने सहपाठी के साथ करें।
3. कबीर आज भी प्रासंगिक हैं, क्योंकि उन्होंने तमाम रूढ़ियों और अन्धविस्वासों का कड़ा प्रतिकार किया है।कबीर पर सभी धर्मों तथा सूफियों के प्रेम का प्रभाव दिखाई देता है। उनका मानना है कि ईश्वर को तो प्राणी मात्र से प्रेम करके ही पाया जा सकता है। उन्होंने धर्म के नाम पर किए जाने वाले आडंबरों का विरोध किया,और राम-रहीम की एकता स्थापित करने पर बल दिया।
   उनके दोहों में सब धर्मों और उनके पाखंडों का विरोध है।कबीर ने धर्म और जाति के नाम पर होने वाले भेदभावों के लिए पंडित और मौलवियों को ही ज़िम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि यह शरीर नश्वर हैं। पता नहीं अगले जन्म में मनुष्य देह मिले-न-मिले, इसलिए इसी जन्म में सत्य की सहायता से ईश्वर को प्राप्त करने का प्रयत्न करना चाहिए। जिन आडंबरों का कबीर ने अपने समय में विरोध किया है, वे आज भी किसी-न-किसी रूप में जीवित हैं। इनके स्वरूप में परिवर्तन भले हो गया हो। आज तथाकथित गुरुओं की बाढ़ सी आ गई है, जो लोगों ने धर्म के नाम पर मूर्ख बनाकर अपना स्वार्थ साधते हैं। पूजा-अर्चना के नाम पर ढोंग करते हैं। अतः कहा जा सकता है कि कबीर का कवित्व आज भी उतना ही प्रासंगिक हैं।
4. कबीर अपनी साखी के माध्यम से जीवन में ज्ञान के महत्व को बताते हैं।वे कहते हैं कि 'दीपक' प्रकाश फैलाने का माध्यम है,और इससे अंधकार का नाश होता हैं। कबीर ने अपनी साखी में 'दीपक' को ज्ञान के प्रतीक के रूप में रखा है। ज्ञान आंतरिक दुष्प्रवृत्तियों को नष्ट करता है।
   मनुष्य की दुष्प्रवृत्तियाँ अंधकार के समान ही हैं। ज्ञान की ज्योति अंधकार को मिटाकर मनुष्य को एक नई पहचान देती है। ईश्वरीय ज्ञान मनुष्य को आंतरिक अंहकार के कारण नहीं हो पाता और इसके समाप्त होते ही मनुष्य का ईश्वर से एकाकार हो जाता है।
   अपने अंदर का दीपक दिखाई देने पर अपने-पराए का भेद मिट जाता है,और जिस प्रकार दीपक के प्रकाश से अंधकार समाप्त हो जाता है, उसी प्रकार जब मनुष्य को ईश्वर के प्रेम रूपी प्रकाश से साक्षात्कार होता है तो उसके मन के सारे प्रश्न, भ्रम, संदेह समाप्त हो जाते हैं, और अज्ञान रूपी अंधकर मिट जाता है।
5. I. (ii) हमारा स्वभाव निर्मल करता है
   II. (iii) पोथी पढ़ने वाला
   III. (iv) कबीर
   IV. (i) निंदा करने वाला
6. I. (iv) अज्ञान के
   II. (ii) ईश्वर की प्राप्ति होती है
   III. (iv) ईश्वर से प्रेम करना
   IV. (iii) दीपक से
7. I. (iii) कस्तूरी की सुगन्ध से उन्मत्त होकर,
   II. (iii) अज्ञानी जीव,
   III. (iv) नाभि में,
   IV. (i) अनुप्रास
8. I. (iii) जब मेरे मन में अहंकार था तब मुझे हरि के दर्शन नहीं हुए
   II. (i) उन्हें ईश्वर की सर्वव्यापकता का ज्ञान हो गया और उनको हरि की प्राप्ति हो गई
   III. (iii) आत्मज्ञान रूपी दीपक
   IV. (iv) उपर्युक्त सभी कथन सत्य हैं
   V. (ii) कबीर को समाज की चिंता है। वे समाज को देखकर रोते हैं
9. **(क)** हितैषी
   व्याख्या: निंदक हमारी कमियों से हमें परिचित करवाकर उसे दूर करके हमें शुद्ध, पवित्र और उच्च बनने का अवसर देता है I

10.

(घ) वह कस्तूरी के वास्तविक स्थान से अनभिज्ञ है
व्याख्या: कस्तूरी हिरन की नाभी में ही होती है, लेकिन उसे यह पता ही नहीं है और वह उसे वन-वन ढूँढ़ता रहता है।

11. **(d)** ईश्वर की प्राप्ति होती है
व्याख्या: ईश्वर की प्राप्ति होती है

12. **(d)** ईश्वर से प्रेम करना
व्याख्या: ईश्वर से प्रेम करना

13. **(b)** दीपक से
व्याख्या: दीपक से

14. **(c)** अज्ञान के
व्याख्या: अज्ञान के

15. **(c)** धार्मिक पुस्तकें पढ़-पढ़कर
व्याख्या: धार्मिक पुस्तकें पढ़-पढ़कर

16. **(d)** जिसने परमात्मा का एक अक्षर भी पढ़ लिया
व्याख्या: जिसने परमात्मा का एक अक्षर भी पढ़ लिया

17. **(b)** परमात्मा से
व्याख्या: परमात्मा से

18. **(c)** परमात्मा का नाम स्मरण करने से
व्याख्या: परमात्मा का नाम स्मरण करने से

19. **(d)** ईश्वर से प्रेम करने पर ज्ञान चक्षु खुलने के बाद
व्याख्या: ईश्वर से प्रेम करने पर ज्ञान चक्षु खुलने के बाद

20. **(d)** मैं भारत के कई हिस्सों में गया हूँ
व्याख्या: मैं भारत के कई हिस्सों में गया हूँ

21. **(d)** अपनी नौकरी के कारण उसे ज्यादातर किसानों के सम्पर्क में रहना पड़ता है
व्याख्या: अपनी नौकरी के कारण उसे ज्यादातर किसानों के सम्पर्क में रहना पड़ता है

22. **(b)** वह अपनी कम्पनी के उत्पादों की बिक्री करने गया था
व्याख्या: वह अपनी कम्पनी के उत्पादों की बिक्री करने गया था

23. **(a)** अन्य दो मित्रों से पहले प्रयाग होटल वापस आ गया था
व्याख्या: अन्य दो मित्रों से पहले प्रयाग होटल वापस आ गया था

24. **(c)** वह लेखक के साथ उस दुकान पर रस पीने गया था
व्याख्या: वह लेखक के साथ उस दुकान पर रस पीने गया था

25. **(b)** वह यदि चाहता, तो अपने रस के गिलास के दो ही रुपए देता
व्याख्या: वह यदि चाहता, तो अपने रस के गिलास के दो ही रुपए देता

60